292 बार पाकिस्तान ने सितंबर में संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है जम्मू-कश्मीर में। इसमें 61 बार मोर्टार का इस्तेमाल किया गया। अगस्त में उसने 307 और जुलाई में 296 बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है।

सीमा पर मेले जैसा माहौल... साक्षात दर्शन का इंतजार

महिंदर सिंह अर्लीभन्न, डेरा बाबा नानक

भारत-पाकिस्तान के बीच करतारपुर कॉरिडोर खुलने के दूसरे दिन रविवार को हजारों की संख्या में संगत कॉरिडोर, टर्मिनल देखने और सीमा से श्री करतारपुर साहिब के दर्शन करने उमड़ पड़ी। संगत के चेहरे पर खुशी साफ देखी जा सकती थी। कई राज्यों से पहुंचे लोगों में कॉरिडोर देखने की भी ललक थी। बगैर पासपोर्ट और रजिस्ट्रेशन के पहुंचे लोगों को उस पार जाने की इजाजत नहीं मिली। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब का दूर से ही दीदार किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन किया था। कड़े सुरक्षा प्रबंधों के कारण लोग टर्मिनल और दर्शनी स्थल तक नहीं पहुंच पाए थे, लेकिन रविवार को संगत सीमा पर उमड़ पड़ी। मोहाली से आए अमर सिंह कहते हैं कि आज का दिन उनके जीवन का सबसे खुशी वाला है। उन्होंने सीमा पर आकर पहली बार अपने पूर्वजों की जन्मभूमि को इतने करीब से देखा है। प्रोफेसर मनजीत सिंह कहते हैं कि कॉरिडोर भारत-पाक के बीच सिख कौम का ब्रिज है। 72 साल बाद लोग फिर पाकिस्तान की भूमि पर पैर रख पाएंगे।

भार-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बनी दर्शनस्थली से गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब जी के दर्शन करने के लिए हजारों संगत डेरा बाबा नानक पहुंची। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं के पास पासपोर्ट नहीं होने के कारण उनको उस पार नहीं जाने दिया गया। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब के दूर से ही दीदार किए। जागरण

सिर्फ आधार कार्ड लेकर पहुंचे : श्री करतारपुर साहिब जाने के लिए क्या प्रक्रिया है लोग अब भी उससे अनजान हैं। रविवार को ऐसे श्रद्धालु भी कॉरिडोर पर पहुंचे जो अपने साथ आधार कार्ड लेकर आए थे और गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के दर्शन करने पाकिस्तान जाना चाहते थे। मानसा से आए सुरजीत सिंह हरीके को सुरक्षा कर्मियों ने जाने से रोक दिया। उनका कहना था कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने श्री करतारपुर साहिब के दर्शन के लिए पासपोर्ट और फीस माफ करने की बात कही है। उन्होंने किसी भी पहचान के आधार संगत दर्शन करने जा सकती है। मानसा जिले से करीब 200 श्रद्धालु अपने आधार कार्ड लेकर आए हैं लेकिन टर्मिनल के पास सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें जाने से मना कर दिया गया। अब उन्हें दर्शनी स्थल से ही करतारपुर साहिब के दर्शन करने होंगे।

बिना पासपोर्ट और फीस के आए थे दर्शन करने : जत्थेदार अनंद सिंह भर्थ भी बिना पासपोर्ट के सिर्फ पहचान पत्र लेकर पहुंचे थे। सरकार ने टर्मिनल पर मुकम्मल प्रबंध नहीं किए हैं जिस कारण फीस माफ होने के बावजूद गरीब संगत करतारपुर साहिब के दर्शन के लिए नहीं जा पा रही है। कॉरिडोर के उद्घाटन के दूसरे दिन रविवार को 229 श्रद्धालु गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के दर्शन के लिए पाकिस्तान गए। इससे पहले शनिवार को 562 श्रद्धालु गए थे।

पाकिस्तान से नक्काशी किया चकला-बेलन लेकर आए : श्री करतारपुर साहिब के दर्शन कर लौटे गुरजिंदरपाल सिंह, ऊधम सिंह और राजपाल कौर ने बताया कि उनके जीवन की लालसा आज पूरी हुई है। पाकिस्तान से यादगार के तौर पर वे नक्काशी किया हुआ चकला और बेलन खरीदकर आए हैं। इसकी लकड़ी पर तांबे की तारों से नक्काशी की गई है।

बस में खत्म हो गईं कैप्टन अमरिंदर और इमरान खान के बीच दूरियां

इन्द्रप्रीत सिंह, करतारपुर साहिब

भारत और पाकिस्तान के बीच करतारपुर कॉरिडोर क्या खुला, दिलों में बनी दूरियां भी खत्म होती नजर आ रही हैं। कॉरिडोर के उद्घाटन से पहले डेरा बाबा नानक में आयोजित जनसभा में इमरान खान को चेतावनी देने वाले मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तीन घंटे बाद जब पाकिस्तान में कदम रखा तो इमरान उन्हें रिसीव करने आए। कॉरिडोर से श्री करतारपुर साहिब जाते हुए बस में कैप्टन ने इमरान को बताया कि गुरुद्वारे के साथ उनके दादा का खास रिश्ता है। जब रावी दरिया ने अपना रुख बदला तो बाढ़ में यह ढह गया था तो उनके दादा महाराजा भूपेंदर सिंह ने बनवाया था। आठ मिनट के सफर में कैप्टन ने यह बात उन्हें दो बार बोली।

दोनों नेताओं के बीच इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें कैप्टन गुरुद्वारा साहिब के इतिहास के बारे में बताते नजर आ रहे हैं। ऐसा वह उस समय कह रहे हैं, जब बस गुरुद्वारा साहिब के पास पहुंच गई और इमरान खान उन्हें बता रहे हैं कि किस तरह गुरुद्वारा साहिब का इन्फ्रास्ट्रक्चर बहुत कम समय में बनाया गया है।

थोड़ी से दूरी और इतना बड़ा फासला : बस में ही कैप्टन को पाकिस्तान पंजाब के सीएम उस्मान बजदर से मिलवाया गया। इसमें कहते सुन जा रहा है कि इतनी थोड़ी से दूरी और इतना बड़ा फासला। इस पर इमरान बोले कि ताल्लुकात अच्छे होते तो दोनों सीएम मिल लेते।

सिद्धू ने इमरान से कहा- आप पंजाब आएं, लोग फूल बरसाएंगे : बस में मौजूद नवजोत सिंह सिद्धू ने इमरान खान से कहा कि आप पंजाब आएं तो सही, लोग फूल बरसाएंगे। बस में जब सिद्धू इमरान से बात करते तो कैप्टन इधर-उधर देखने लगते और जब कैप्टन इमरान से बात करते तो सिद्धू ज्यादा ध्यान नहीं देते। मात्र एक दो बातों में ही सिद्धू ने कैप्टन और इमरान की बात में हस्तक्षेप किया। गुरदासपुर के सांसद सनी देयोल भी इसी बस में थे। उन्हें भी इमरान से मिलवाया गया। सिद्धू ने कहा, 'एह ने साडे सनी भाजी।' इमरान ने कहा, 'गुड टू सी यू।'

सोनभद्र के वनवासी समागम में शामिल होंगे राष्ट्रपति

जागरण संवाददाता, सोनभद्र : उत्तर प्रदेश के बभनी के सेवा कुंज आश्रम में वनवासी गौरव के रूप में होने जा रहे बिरसा मुंडा जयंती समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शिरकत करेंगे। सेवा समर्पण संस्थान का भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम एक से 30 नवंबर तक पूरे देश में वनवासी गौरव के तहत विभिन्न कार्यक्रम कराएगा। इसी क्रम में राष्ट्रपति 29 नवंबर को वनवासी समागम कार्यक्रम में पहुंचेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के जिला कार्यसमिति सदस्य आलोक चतुर्वेदी ने बताया कि 29 नवंबर के कार्यक्रम में देश के प्रथम नागरिक राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपनी उपस्थिति के लिए सहमति जताई है। उनके निजी सचिव विक्रम सिंह ने पत्र प्रेषित कर दिया है। राष्ट्रपति के आगमन को देखते आश्रम के सभी सदस्य कार्यक्रम की सफलता को लेकर पूरे जोश से लग गए हैं। सेवा समर्पण संस्थान के सह संगठन मंत्री आनंद उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रपति आश्रम में बने कुछ भवनों का उद्घाटन कर सकते हैं। बताया कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद प्रारंभ से ही प्रकल्प से जुड़े रहे हैं, और उनकी रुचि भी आदिवासी वन-वनवासियों के उत्थान में शुरू से रही है।

तबाही मचाने के बाद 'बुलबुल' ने किया बांग्लादेश का रुख

आपदा ▶ पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से की बात, मदद का दिया भरोसा

शनिवार रात बंगाल में दी थी दस्तक, चक्रवात के चलते 10 की मौत, नौ जिले प्रभावित

जागरण संवाददाता, कोलकाता

चक्रवात 'बुलबुल' ने शनिवार रात बंगाल में दस्तक दी और रविवार तड़के तक नौ जिलों में जमकर तांडव मचाया। चक्रवात के चलते राज्यभर में 10 लोगों की मौत हुई। वहीं तबाही मचाने के बाद बुलबुल बांग्लादेश की तरफ मुड़ चुका है। जिससे राज्य में प्रभावित इलाकों में मौसम धीरे-धीरे साफ हो रहा है। इससे पहले तेज हवाओं और भारी बारिश तटीय जिलों में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया।

चक्रवात का सबसे ज्यादा प्रभाव बकखाली, फ्रेजरगंज, संदेशखाली, झड़खाली, नंदीग्राम, नयाचर और खेजूरी इलाकों में पड़ा। चक्रवात के चलते नौ जिलों में करीब तीन लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हजारों पेड़ और मकानों को क्षति पहुंची है। रविवार को ड्रोन की मदद से क्षतिग्रस्त इलाकों का मुआयना किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फोन कर बुलबुल से हुई तबाही की जानकारी ली और राज्य की हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, 'चक्रवात की स्थिति और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश के मद्देनजर उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की।' चक्रवात से हुई तबाही को लेकर केंद्र सरकार भी चिंतित है। रविवार को राज्य सरकार ने केंद्र को बताया कि बुलबुल चक्रवात के चलते बंगाल के नौ जिलों में कुल तीन लाख लोग प्रभावित हुए हैं। मुख्य सचिव राजीव सिन्हा ने नौ जिलों के जिलाधिकारियों ने बुलबुल चक्रवात से मची तबाही की पूरी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिए पीएमओ से बात की और हालात की जानकारी दी। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार सुंदरवन धानची वन के करीब पहुंचने से पहले बेहद गंभीर चक्रवात थोड़ा कमजोर होकर तूफान में तब्दील हो गया।

चक्रवाती तूफान 'बुलबुल' ने रविवार को पश्चिम बंगाल में भारी तबाही मचाई। साउथ 24 परगना जिले के फ्रेसरगंज में मछुआरों की पूरी बस्ती उजड़ गई। प्रेट्र

ममता बोलीं-बंगाल की खाड़ी से बचाए गए 75 यात्री : चक्रवात 'बुलबुल' की आपदा से अनभिज्ञ बंगाल की खाड़ी में एक क्रूज शिप पर परिभ्रमण पर गए 75 यात्रियों को बंगाल पुलिस की ओर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार रात सचिवालय नवान्न स्थित कंट्रोल रूम में पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण 24 परगना जिला पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में बचाव अभियान शुरू किया गया। बाद में सभी यात्रियों को नामखाना के पास स्थित मौसुनी द्वीप में स्थित सामान्य होने तक ठहरने की व्यवस्था की गई। उन्होंने कहा कि पहले ही राज्य प्रशासन ने तटीय जिलों में निचले इलाकों से 1,64,315 लोगों को सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाने का काम किया।

बांग्लादेश में छह लोगों की गई जान, कई लापता

ढाका, रायटर : तटीय इलाकों में इस सप्ताहांत बुलबुल तूफान के पहुंचने के बाद बांग्लादेश में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। त्वरित सतर्कता बरतने से कई की जान बचा ली गई है। अधिकारियों ने रविवार को इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि तूफान अब कमजोर हो गया है।

छह में पांच की पेड़ गिरने से मौत हुई। संरक्षण स्थल में रात गुजराने के बाद रविवार को घर पहुंची 52 वर्षीया महिला की पेड़ गिरने से मौत हो गई। 60 वर्षीय मछुआरे ने अपना घर खाली करने से मना कर दिया था जिससे उसकी मौत हुई। अधिकारियों ने कहा कि करीब 30 लोग घायल हो गए हैं और करीब 600 घर आंशिक या पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। दो मछली पकड़ने वाली नौका अभी तक नहीं लौटी है और उसपर सवार 36 लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। दक्षिण पश्चिम बांग्लादेश के शिविर में कोई बड़ा नुकसान होने की खबर नहीं है। इसी शिविर में म्यामांर के हजारों शरणार्थी रह रहे हैं।

हरियाणा में ई-सिगरेट और हुक्का बार पर लगेगी पाबंदी

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- डीजीपी ने पुलिस आयुक्तों व एसपी को दिए निर्देश
- एक लाख का जुर्माना और एक साल की सजा संभव

हरियाणा में युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के लिए न तो ई-सिगरेट की बिक्री हो सकेगी और न ही ई-हुक्का बार चल सकेंगे। केंद्र सरकार ने ई-सिगरेट के उत्पादन, आयात, निर्यात, बिक्री और विज्ञापन पर पूरी तरह रोक लगाने का अध्यादेश जारी किया है। हरियाणा इस कानून को अपने राज्य में पूरी सख्ती से लागू करेगा।

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक मनोज यादव के अनुसार ई-सिगरेट समेत सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन की उपलब्धता और उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए राज्य भर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। सोमवार से शुरू होकर यह अभियान पूरे एक माह यानी 10 दिसंबर तक जारी रहेगा।

पुलिस महानिदेशक ने सभी पुलिस आयुक्त और जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अध्यादेश के प्रावधानों को सख्ती से लागू कराएं। स्कूल, कॉलेज और शिक्षा संस्थानों में इस तरह के प्रतिबंधित उत्पादों के उपयोग को रोकने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। जिलों में जन जागरण अभियान चलाए जाएं तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाए।

पुलिस महानिदेशक के अनुसार अध्यादेश में ई-सिगरेट, सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन और ई-हुक्का को प्रतिबंधित कर अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इनकी तलाशी, जब्ती व जांच के लिए कम से कम पुलिस सब-इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी को अधिकृत किया गया है। अध्यादेश के अनुसार व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए ई-सिगरेट का होना अपराध की श्रेणी में शामिल नहीं है।

मनोज यादव ने बताया कि पहली बार अपराध के मामले में एक वर्ष तक का कारावास या एक लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। अगले अपराध के लिए तीन साल तक कैद और पांच लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ई-सिगरेट के भंडारण के लिए छह माह तक कैद अथवा 50 हजार रुपये तक जुर्माना या दोनों दंड दिए जा सकते हैं।

भविष्य निधि घोटाले में शामिल चार और ब्रोकर फर्मों के पते निकले फर्जी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

खुल रहे राज

- पूछताछ के बाद जेल में दाखिल कराए गए एपी मिश्र
- ईओडब्ल्यू ने डीएचएफएल के यूपी हेड को किया तलब

बिजली कर्मियों की भविष्य निधि की रकम लूटने में शामिल रहीं चार और ब्रोकर फर्मों के पते फर्जी पाए गए हैं। ईओडब्ल्यू की जांच के कदम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे हैं, पूरे प्रकरण में घोटाले के पीछे रची गई गहरी साजिश की कड़ियां भी एक-एक कर खुलने लगी हैं। जिन 14 ब्रोकर फर्मों के जरिये निजी कंपनी दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) में निवेश किया गया था, उनमें पांच फर्मों के पते अब तक फर्जी निकले हैं। जिन पांच फर्मों के पते फर्जी पाए गए हैं, वे गाजियाबाद, मेरठ व दिल्ली के पतों पर रजिस्टर्ड थीं। अन्य नौ फर्मों की भी जांच कराई जा रही है।

ईओडब्ल्यू ने पावर कारपोरेशन के पूर्व एमडी एपी मिश्र की पुलिस कस्टडी रिमांड अवधि पूरी होने पर उन्हें रविवार सुबह करीब 10 बजे लखनऊ जेल में दाखिल करा दिया। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर एपी मिश्र को फिर पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने की कार्रवाई की जाएगी।

डीजी ईओडब्ल्यू डॉ. आरपी सिंह का कहना है कि आरोपित पावर कारपोरेशन के पूर्व निदेशक एपी मिश्र, पूर्व निदेशक (वित्त) सुधांशु द्विवेदी व तत्कालीन सचिव ट्रस्ट पीके गुप्ता से पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की छानबीन कराई जा रही है। कुछ अहम तथ्य सामने आए हैं, जिन्हें तस्दीक भी कराया जा रहा है। बताया गया कि जांच एजेंसी ने सोमवार को डीएचएफएल के यूपी हेड को पूछताछ के लिए बुलाया है।

उल्लेखनीय है कि ईओडब्ल्यू डीएचएफएल के एक पूर्व कर्मचारी से भी पूछताछ कर चुकी है। कंपनी में निवेश कराने के दौरान किन-किन लोगों की अहम भूमिका थी और किनके जरिये ब्रोकर कंपनियों से संपर्क साधा गया था। ईओडब्ल्यू ऐसे कई बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है। 14 फर्मों में 12 फर्में तो ऐसी हैं, जिन्होंने सिर्फ यूपीपीसीएल के लिए काम किया है। इन फर्मों से जुड़े सभी लोगों के बारे में ब्योरा जुटाया गया है। ध्यान रहे, 4122.70 करोड़ के भविष्य निधि घोटाले के मामले में हजरतगंज कोतवाली में एफआइआर दर्ज कराई गई है। शासन के निर्देश पर इस मुकदमे की विवेचना ईओडब्ल्यू कर रही है। ईओडब्ल्यू ने मामले में अब तक गिरफ्तार तीनों आरोपित अधिकारियों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की है। माना जा रहा है कि अब ईओडब्ल्यू पावर कारपोरेशन के तत्कालीन अध्यक्ष से भी जल्द पूछताछ करेगी।

अरविंद कुमार ने संभाला पदभार : प्रमुख सचिव ऊर्जा व अध्यक्ष पावर कारपोरेशन के पद पर अरविंद कुमार ने पदभार ग्रहण कर लिया है। उल्लेखनीय है कि पीएफ घोटाले के चलते राज्य सरकार पिछले दिनों पावर कारपोरेशन की एमडी अपर्णा यू और कारपोरेशन के अध्यक्ष आलोक कुमार को पद से हटा चुकी है। एम देवराज पहले ही एमडी का कार्यभार संभाल चुके हैं। परिवहन से ऊर्जा विभाग में पहुंचे अरविंद कुमार प्रमुख सचिव गृह भी रह चुके हैं।

उत्तराखंड के सीएम के मोबाइल पर हरकी पैड़ी को उड़ाने की धमकी

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

पहले भी मिलती रही हैं धमकियां

हरिद्वार : हरकी पैड़ी को बम धमाके से उड़ाने की धमकी पहले भी मिल चुकी है। हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर पिछले आठ सालों में धमकी भरे छह पत्र मिले हैं। यह पत्र आतंकी संगठन लश्करे तैयबा के नाम से मिलते रहे हैं। शुरुआत के पांच पत्र तत्कालीन स्टेशन अधीक्षक समरेंद्र गोस्वामी के नाम पर आए हैं। समरेंद्र गोस्वामी के रिटायर्ड होने के बाद भी उनके नाम पर धमकी भरे दो पत्र हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर मिले हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के मोबाइल पर एक शख्स ने कॉल कर हरकी पैड़ी को बम से उड़ाने की धमकी दे डाली। इससे राजधानी देहरादून से लेकर हरिद्वार तक शासन प्रशासन में हड़कंप मच गया। मुख्यमंत्री के प्रोटोकॉल अधिकारी आनंद रावत की तहरीर पर हरिद्वार की शहर कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मोबाइल नंबर की जांच शुरू करते हुए कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी की है। वहीं एहतियातन हरकी पैड़ी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस के मुताबिक मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत का मोबाइल रविवार को उनके प्रोटोकॉल अधिकारी आनंद रावत के पास था। उसी दौरान अंजान नंबर से मुख्यमंत्री के मोबाइल पर कॉल आई। कॉल करने वाले शख्स ने हरिद्वार में हरकी पैड़ी को बम ब्लास्ट कर उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद कॉल खत्म कर दी। प्रोटोकॉल अधिकारी आनंद रावत ने तुरंत यह जानकारी मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत को दी। मामले की गंभीरता को देखते मुख्यमंत्री ने तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए। इसके बाद मुख्यमंत्री के प्रोटोकॉल अधिकारी आनंद रावत ने एसएसपी हरिद्वार को तहरीर भेजी। एसएसपी सेंथिल अबुदई कृष्णराज एस के निर्देश पर रविवार देर शाम हरिद्वार शहर कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस व सीआइयू की टीम मोबाइल नंबर की छानबीन करने में जुट गई। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की है।

उपलब्धि

विदेशी वैज्ञानिकों ने एमओयू के लिए एचएयू के प्रतिनिधियों को बुलाया पोलैंड, एक साथ एक प्रोजेक्ट पर रिसर्च कर तैयार करेंगे किस्में

सूखे से निपटने वाला गेहूं तैयार करेगा हकृवि

वैभव शर्मा, हिसार

- पोलैंड की द प्लांट ब्रीडिंग एंड एक्लामाइजेशन नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट से मिला है न्योता
- पोलैंड में भी पीला रतुआ जैसी बीमारी सूखे के दौरान गेहूं में आ रही है

भारत में जलवायु परिवर्तन फसलों के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। सूखे के कारण हर साल किसानों की हजारों एकड़ गेहूं की फसल बर्बाद हो जाती है। अब ऐसे ही हालात पोलैंड में भी बनने लगे हैं। इस मसले पर पोलैंड की द प्लांट ब्रीडिंग एंड एक्लामाइजेशन नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी आइएचएआर में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हैब एडवर्ड अरसेनिक ने चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गेहूं अनुभाग में वैज्ञानिकों संग समीक्षा की। इन हालातों से निपटने के लिए दोनों ही संस्थानों ने एक साथ आने का फैसला लिया है। इसके लिए दोनों संस्थानों के वैज्ञानिक एक एमओयू साइन कर रिसर्च करेंगे। इस एमओयू का उद्देश्य गेहूं की ऐसी किस्में तैयार करना है, जो सूखे से निपटने में सक्षम हो।

भारत और पोलैंड एक ही प्रकार की समस्या से गुजर रहे हैं। पोलैंड में भी पीला रतुआ जैसी बीमारी सूखे के दौरान गेहूं में आ रही है। ऐसे में दोनों संस्थानों का एक साथ आना जरूरी बन गया है। डॉ. हैब एडवर्ड ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत करते हुए बताया कि हमने आगामी कांफ्रेंस के लिए कुलपति प्रो. केपी सिंह को पोलैंड आने का आमंत्रण दिया है। इसके साथ ही हमने उनसे इस काम से जुड़ी समिति में बतौर चेयरमैन शामिल होने का प्रस्ताव भी दिया है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय। फाइल

तीन दिन की कांफ्रेंस पोलैंड में होगी आयोजित : वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हैब एडवर्ड अरसेनिक ने बताया कि जल्द ही वह पोलैंड में एक कांफ्रेंस आयोजित करेंगे, जिसमें एचएयू के वैज्ञानिकों को भी बुलाया गया है। एचएयू की तरफ से एमओयू के दौरान वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई की भी मुख्य रूप से भागीदारी रहेगी। इस कांफ्रेंस के माध्यम से दोनों ही संस्थानों के वैज्ञानिक व शोधार्थी अपनी-अपनी रिसर्च के अनुसार मत रख सकेंगे, ताकि गेहूं को लोगों के लिए उपयुक्त व अधिक पैदावार वाली फसल बनाया जा सके।

गेहूं में यह रोग हैं : रतुआ रोग- यह पत्तियों में होता है। पीला रतुआ व भूरा रतुआ ट्रिटी में ज्यादा आता था, मगर वर्ष 2000 के बाद भारत में गेहूं में भी इसकी शुरुआत हो गई। यह समस्या पहले पोलैंड में थी ही नहीं मगर अब क्लाइमेंट चेंज होने से वहां भी दिक्कत हो रही है।

सेप्टोरिया बीमारी : भारत में सेप्टोरिया बीमारी अभी कम है। मगर वैज्ञानिक मानते हैं कि आने वाले समय में यह भारत में भी बढ़ेगी, क्योंकि क्लाइमेट चेंज हो रहा है।

जीवनरक्षक टीकों के 30 सैंपल की गुणवत्ता सही नहीं पाई गई

मनमोहन वशिष्ठ, सोलन

हिमाचल प्रदेश के कसौली में स्थित देश की एकमात्र सेंट्रल ड्रग्स लैबोरेटरी (सीडीएल) ने इस साल 31 अक्टूबर तक विभिन्न कंपनियों के पांच जीवनरक्षक टीकों के 30 सैंपल की गुणवत्ता सही नहीं पाई है। सीडीएल ने वेबसाइट पर फेल सैंपल की सूची जारी कर ब्रिकी पर रोक लगा दी है।

सीडीएल की ओर से देशभर की सरकारी व निजी कंपनियों में निर्मित और विदेशों से आयात व निर्यात होने वाले जीवनरक्षक टीकों की गुणवत्ता को जांचने व परखने के बाद ही बाजार में उतारा जा सकता है। वैक्सीन के बाजार में जाने के बाद भी सीडीएल वैक्सीन पर निगरानी रखती है।

इन वैक्सीन के सैंपल हुए फेल : इस वर्ष फेल हुए 30 सैंपल में बाईवालेंट ओरल पोलियो वैक्सीन के 25, टीटी वैक्सीन (टिटनेस टॉक्साइड) का एक, मेनिंगोकोकल वैक्सीन (मस्तिष्क व रीढ़ को कवर करने वाली झिल्लियों में सूजन को कम करती है) के दो, टाइफाइड वैक्सीन का एक व रैबीज वैक्सीन का एक सैंपल शमिल है।

2013 से अब तक 71 सैंपल फेल : सीडीएल कसौली ने वेबसाइट पर 2013 से अब तक विभिन्न वैक्सीन के 71 सैंपल को नॉट ऑफ स्टैंडर्ड घोषित किया है। इनमें टीटी वैक्सीन, हेपेटाइटिस वैक्सीन, एंटी स्नेक वेनम सीरम, पैंटावेलेंट वैक्सीन, पोलियो वैक्सीन, डीपीटी वैक्सीन, टाइफाइड वैक्सीन, डिप्थीरिया एंटी टॉक्सिन वैक्सीन व रैबीज वैक्सीन समेत कई अन्य वैक्सीन के सैंपल शामिल रहे हैं।

> सीडीएल में आने वाली वैक्सीन की गुणवत्ता को गहनता से जांचा व परखा जाता है। इसके बाद उसके बैच रिलीज किए जाते हैं। गुणवत्ता व अन्य कमियों पर सैंपल को नॉट ऑफ स्टैंडर्ड घोषित किया जाता है। इसकी जानकारी वेबसाइट पर जारी की है।
>
> **-डॉ. अरुण भारद्वाज, निदेशक, सेंट्रल ड्रग्स लैबोरेटरी, कसौली**

बोकारो के विधायक विरंची नारायण का वीडियो वायरल

राज्य ब्यूरो, रांची : भाजपा के बोकारो विधायक बिरंची नारायण का एक वीडियो वायरल हुआ है। निजी पलों के इस वीडियो में विधायक अकेले दिख रहे हैं और ऐसा लग रहा है जैसे किसी ने उनके मोबाइल से यह वीडियो निकाल लिया हो या फिर विधायक ने किसी को भेजा हो और वहां से लीक हुआ हो। जो भी हो, विधायक ने वीडियो को फर्जी करार दिया है और डीसी व एसपी से इसकी जांच करने की मांग भी की है। अभी इसकी प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है।

हनी ट्रैप का मामला तो नहीं : चर्चा यह भी है कि आधा दर्जन से अधिक विधायकों के वीडियो, ऑडियो और सेक्स चैट वायरल हो रहे हैं। पूरे मामले को हनी ट्रैप से जोड़कर देखा जा रहा है। बिरंची नारायण के वीडियो के बारे में सूत्रों के अनुसार चर्चा है कि यह वीडियो उत्तराखंड के किसी होटल का है।